

महत्वपूर्ण एवं खास

लोकसभा में इस बार नये चेहरों को ज्यादा
मिलेगा मौका-भूपेश बघेल

रायपुर (आरएनएस)। लोकसभा सीटों पर इस बार ज्यादातर नये चेहरों को मौका दिया जाएगा। नामों को लेकर प्रक्रिया सुरु हो चुकी है। हालांकि नाम पर अंतिम निर्णय हाईकमान करेगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दिल्ली प्रवास से वापस लौटने के बाद यहां कहीं।

सीधी भर्ती व शैक्षणिक संस्थानों में आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के लिए अब 10 प्रतिशत आरक्षण

रायपुर (आरएनएस)। सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय महानदी भवन द्वारा 103 वे सीधी भर्ती के पदों में तथा शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश में आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करने, जनगणना वर्ष 2011 की जनसंख्या के आधार पर राज्य में आरक्षण वर्ग के लिये प्रचलित आरक्षण प्रतिशत को संशोधित करने और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिये 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान एवं परीक्षण करने के लिए समिति गठित की गयी है। जिसमें प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन विभाग को सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार समिति में प्रमुख सचिव विधि और विधायी कार्य विभाग, सचिव राजस्व एवं अपाद प्रबंधन विभाग, सचिव अदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग एवं सचिव समाज कल्याण विभाग को सदस्य नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव ने अपने अदेश में समिति को अपना प्रतिवेदन शीर्ष देने को कहा है।

सीएम की केंद्र सरकार से मांग : अज्ञा-अज्ञा छात्रों के पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति सीमा बढ़ाएं या सीमा समाप्त करें

सीएम ने केन्द्रीय मंत्री को लिखा पत्र

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार से अनुसूचित जाति और जनजातियों के विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति लिए निर्धारित ढाई लाख रुपये की सीमा को बढ़ाने या सीमा को समाप्त करने की मांग की है।

झोपड़ी में लगी आग, 3 जिंदा जले, मौत

सिर्फ़ चौक स्थित स्वीपर कालोनी की घटना

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के टिकारापारा इलाके में सिर्फ़ चौक स्थित स्वीपर कॉलोनी में एक झोपड़ी में आज तड़के अचानक आग लग गई, जिससे झोपड़ी सहित उसमें सो रहे 3 लोग चुरी तह से ज्युत्स गए। इससे उन तीनों की मौत हो गई। इस घटना के बाद स्वीपर कॉलोनी में मातम छाया हुआ है।

शासकीय कर्मियों को अब 09 प्रतिशत डीए

पुलिस कर्मियों को मिलेगा सामाजिक अवकाश

रायपुर (आरएनएस)। राज्य के शासकीय कर्मचारियों को अगले माह से 5 प्रतिशत के स्थान पर 09 प्रतिशत डीए मिलेगा, इसके अलावा पेंशनसंरक्षण को भी 9 प्रतिशत के हिसाब से डीए दिया जाएगा।

नवसली विस्फोट में एक जवान घायल

मौके से एक आईडी बरामद

जगदलपुर (आरएनएस)। बीजापुर जिला मुख्यालय से 23 किमी दूर गंगालूर थान क्षेत्र के बुरजी कैम्प के समीप कल दर शाम हुए बास्टी सुरंग विस्फोट में एक जवान दिलीप कुमार मिंज मामूली रूप से जख्मी हो गया। मौके से एक जांचित आईडी भी बरामद की गयी है।

शराबबंदी वाले राज्यों में अध्ययन के लिए समिति बनी

रायपुर (आरएनएस)। राज्य शासन द्वारा एक जनवरी को मंत्री परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार सचिव वाणिज्यिक कर आबकारी विभाग की अध्यक्षता में राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू किये जाने के सम्बन्ध में एक समिति गठित की गई है। यह समिति ऐसे राज्य जहां पूर्व में शराबबंदी लागू थी वहां भी अधिकारी के साथ शराबबंदी लागू करेगी।

इस समिति में सदस्य के रूप में विशेषज्ञ पीके शुक्ला, जशपुर जिले के बबू वाहन सामाजिक कार्यकर्ता पदमत्री समान से समानित श्रीमती शमशाद बेगम, नशा मुक्ति अभियान से जुड़े मनीष शर्मा, एसड रिफ्लक्स, एसिडिटी और कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

बार-बार डकार आना कई बीमारियों का है संकेत

तरीका है और अगर पेट से हवा बाहर न निकले तो यह पेट से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकती है। लेकिन अगर डकार ज्यादा आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है।

डाइजेशन का संतुलन बिगड़ने पर आती है डकार

डॉ. अभिषेक पांडेय की माने तो पाचन खराब होने से कब्ज या बढ़ावजी की प्रॉब्लम हो जाती है। डाइजेशन में मदत करने वाले कुछ बैकटीरिया पेट में मौजूद होते हैं। इनका संतुलन बिगड़ने पर भी गैस बनती है और डकार आती है। बार-बार डकार आने से एसिड रिफ्लक्स, एसिडिटी और कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम

इस बीमारी में गैसों को कब्ज, पेट दर्द, मरोड़ व दस्त आदि हो सकते हैं।

डकार आना एक साधारण क्रिया है, जो किसी भी समय आ सकती है। अमातूर पर ऐसा माना जाता है कि डकार भोजन पच जाने का संकेत है। लेकिन वास्तविकता में ऐसा नहीं है। खाना खाते समय या उसके बाद बार-बार डकार लेने का मतलब है कि खाने के साथ ज्यादा मात्रा में हवा शरीर के अंदर चली गई है। जब हवा अंदर जाती है तो बाहर भी निकलती है, जिसे हम डकार कहते हैं। यह पेट

में गैस के बाहर निकलने का एक प्राकृतिक

बिलासपुर लोकसभा सीट जीतने 25 साल से तरस रही कांग्रेस

भाजपा के लिए अभेद गढ़ तो कांग्रेस के लिए चुनौती, इस बार फिर होगी जोर आजमाइश

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर लोकसभा सीट भाजपा के लिए जहां अभेद गढ़ साबित हो रही है वही कांग्रेस के लिए यह चुनौती बनती जा रही है। जीते 25 वर्षों से इस सीट को अपने कब्जे में करने कांग्रेस जोर आजमाइश कर रही है। पर हर बार असफलता ही हाथ लगती है। चुनाव-दर-चुनाव हर का अंतर और बढ़ते जा रहा है। विधानसभा चुनाव में जिस तरह सत्ता परिवर्तन का जोर चला और बदलाव का राजनीतिक मुद्दा हावी रहा। बदलाव के इसी कश्ती पर सवार होकर कांग्रेस इस बार जीत की गुंजाइश 2014 का लोकसभा चुनाव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर लोकसभा सीट भाजपा के लिए जहां अभेद गढ़ साबित हो रही है वही कांग्रेस के लिए यह चुनौती बनती जा रही है। जीते 25 वर्षों से इस सीट को अपने कब्जे में करने कांग्रेस जोर आजमाइश कर रही है। पर हर बार असफलता ही हाथ लगती है। चुनाव-दर-चुनाव हर का अंतर और बढ़ते जा रहा है। विधानसभा चुनाव में जिस तरह सत्ता परिवर्तन का जोर चला और बदलाव का राजनीतिक मुद्दा हावी रहा। बदलाव के इसी कश्ती पर सवार होकर कांग्रेस इस बार जीत की गुंजाइश 2014 का लोकसभा चुनाव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर लोकसभा सीट भाजपा के लिए जहां अभेद गढ़ साबित हो रही है वही कांग्रेस के लिए यह चुनौती बनती जा रही है। जीते 25 वर्षों से इस सीट को अपने कब्जे में करने कांग्रेस जोर आजमाइश कर रही है। पर हर बार असफलता ही हाथ लगती है। चुनाव-दर-चुनाव हर का अंतर और बढ़ते जा रहा है। विधानसभा चुनाव में जिस तरह सत्ता परिवर्तन का जोर चला और बदलाव का राजनीतिक मुद्दा हावी रहा। बदलाव के इसी कश्ती पर सवार होकर कांग्रेस इस बार जीत की गुंजाइश 2014 का लोकसभा चुनाव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर लोकसभा सीट भाजपा के लिए जहां अभेद गढ़ साबित हो रही है वही कांग्रेस के लिए यह चुनौती बनती जा रही है। जीते 25 वर्षों से इस सीट को अपने कब्जे में करने कांग्रेस जोर आजमाइश कर रही है। पर हर बार असफलता ही हाथ लगती है। चुनाव-दर-चुनाव हर का अंतर और बढ़ते जा रहा है। विधानसभा चुनाव में जिस तरह सत्ता परिवर्तन का जोर चला और बदलाव का राजनीतिक मुद्दा हावी रहा। बदलाव के इसी कश्ती पर सवार होकर कांग्रेस इस बार जीत की गुंजाइश 2014 का लोकसभा चुनाव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर लोकसभा सीट भाजपा के लिए जहां अभेद गढ़ साबित हो रही है वही कांग्रेस के लिए यह चुनौती बनती जा रही है। जीते 25 वर्षों से इस सीट को अपने कब्जे में करने कांग्रेस जोर आजमाइश कर रही है। पर हर बार असफलता ही हाथ लगती है। चुनाव-दर-चुनाव हर का अंतर और बढ़ते जा रहा है। विधानसभा चुनाव में जिस तरह सत्ता परिवर्तन का जोर चला और बदलाव का राजनीतिक मुद्दा हावी रहा। बदलाव के इसी कश्ती पर सवार होकर कांग्रेस इस बार जीत की गुंजाइश 2014 का लोकसभा चुनाव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर लोकसभा सीट भाजपा के लिए जहां अभेद गढ़ साबित हो रही है वही कांग्रेस के लिए यह चुनौती बनती जा रही है। जीते 25 वर्षों से इस सीट को अपने कब्जे में करने कांग्रेस जोर आजमाइश कर रही है। पर हर बार असफलता ही हाथ लगत